सफलता की कहानी

एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम

खण्ड विकास कार्यालय

विकास खण्ड बिझड़ी

जिला हमीरपुर ¼हि०प्र०½

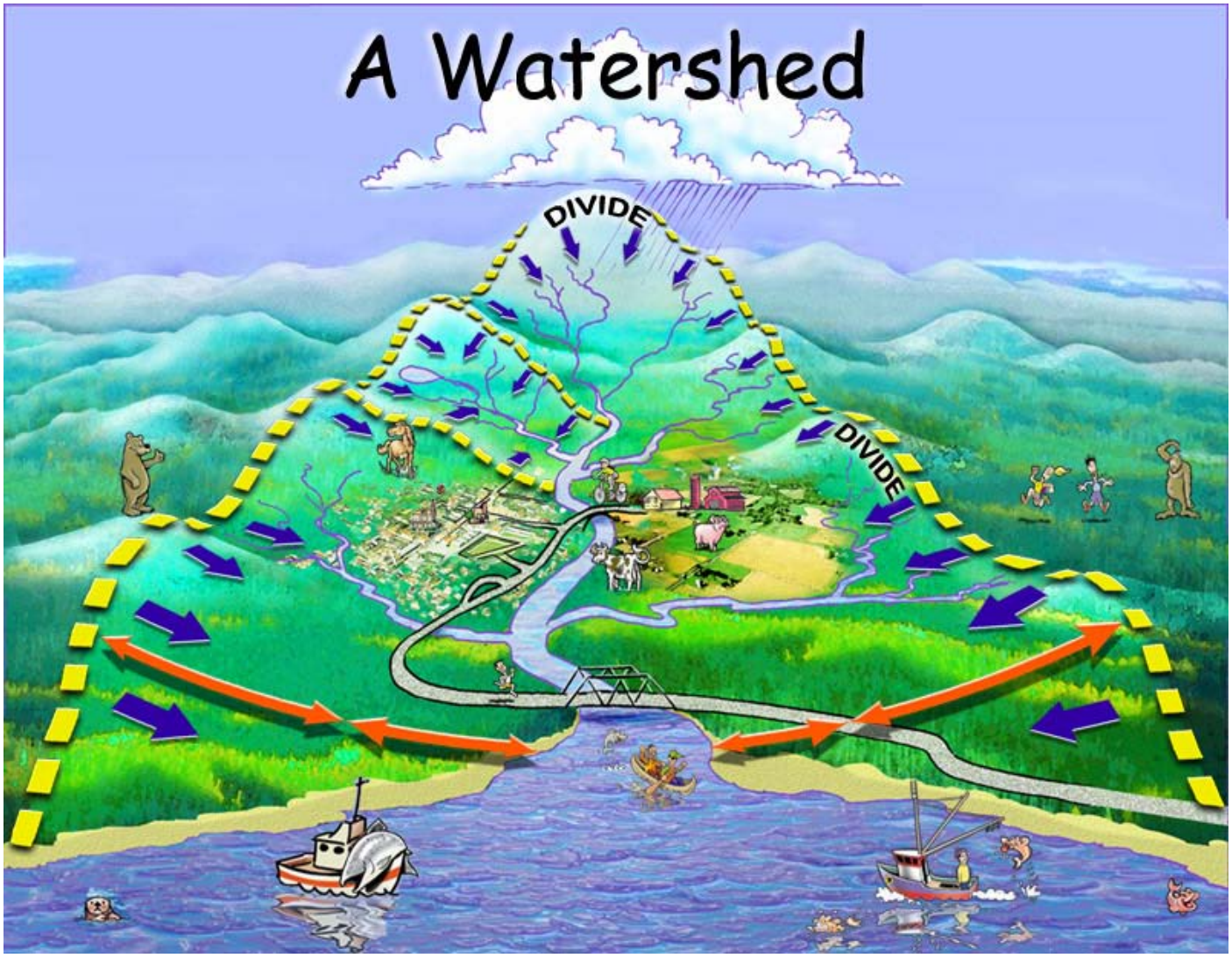

खण्ड विकास कार्यालय बिझड़ी, जिला हमीरपुर (हि०प्र०)

ग्राम पंचायत घंघोट कलां की सफल कहानी

परिचय:- गांव धंगोट कलां (तप्पा) बार्ड नं 4 ग्राम पंचायत धंगोट कलां के अंतर्गत आता है | विकास खण्ड बिझड़ी से ग्राम पंचायत धंगोट कलां की दूरी 9 किलोमीटर है और ग्राम पंचायत धंगोट कलां से

तप्पा की दूरी लगभग 3 किलोमीटर है | इस गांव के सभी परिवार अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखते है |

गांव धंगोट कलां (तप्पा) बार्ड नं 4 की पहले की दशा :- गांव धंगोट कलां (तप्पा), ग्राम पंचायत से दूर होने के कारण यहाँ पर रह रहे 16 परिवारों का विकास बिलकुल भी नहीं था जिसके कारण यह गांव पिछड़ा हुआ था | यहाँ के लोग पूर्णतया खेती बाड़ी पर ही निर्भर है और उनमे से दो परिवार ऐसे भी है जो खेती बाड़ी के साथ-साथ दूध उत्पादन का कार्य भी कर रहे है | वर्षा आधारित खेती होने के कारण उत्पादन बहुत कम था | गाँव के समीप मटोली नाले में जो की वर्ष भर बहता था उसमे ग्रामवासी घरेलू बांध बना कर पानी का संरक्षण करते थे ताकि गर्मियों के दिनों में पानी का प्रयोग किया जा सके |

एकीकृत जलागम प्रबन्धन कार्यक्रम -2 के बाद की दशा :- विकास खण्ड बिझड़ी के अंतर्गत चल रहे एकीकृत जलागम प्रबन्धन कार्यक्रम -2 के आने से यह गांव भी परियोजना के अधीन आ गया है तथा यहाँ पर जलागम विकास दल के सभी सदस्यों द्वारा इस गांव का भ्रमण किया गया | गाँव में लोगो के साथ बैठक की गई और चर्चा के दोरान लोगो ने चेक डैम के लिए सर्वसम्मति से एक स्वर में मांग की | तत्पश्चात ग्राम पंचायत के माध्यम से इस गांव में पड़ने वाले मटोली नाले का ऊपर से नीचे तक निरिक्षण किया गया और गांव के सभी परिवारों के सहयोग व भागीदारी द्वारा एक चेक डैम निर्माण किया गया | इस चेक डैम का निर्माण बर्ष 2011-2012 में किया गया | इस चेक डैम की कुल **व्यय राशी 72283 रु०** है | गांव की सभी महिलाओ द्वारा इस चेक डैम में मजदूरी का कार्य किया गया | चेक डैम के साथ गांववासियों ने अपने खेतो के पास सिंचाई टैंक का निर्माण किया जिसमे गांव के सहयोग के द्वारा पानी को लिफ्ट करके सिंचाई टैंक में डाला गया है |

✓ **कार्य का नाम**	:-	निर्माण चेक डैम, गाँव घंगोटकलां (मटोली नाला)
✓ **जलागम का नाम**	:-	ग्राम पंचायत घंगोटकलां
✓ **स्वीकृत राशी**	:-	72,283 /-
✓ **व्यय राशी**	:-	72,283 /-
✓ **वर्ष**	:-	2011-12
✓ **परियोजना का नाम**	:-	एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम - II
✓ **लाभार्थियों की संख्या**	:-	7 परिवार

इस पानी का उपयोग गांव के सभी परिवार अपने घरों में पशुओं व खेतों में नगदी फसलो के लिए कर रहे है | इस चेक डैम में बर्ष भर पानी रहता है |

इस चेक डैम में मछली उत्पादन के लिए भी प्रावधान किया जा रहा है समय-2 पर जलागम विकास दल के सदस्यों गांव में जा कर लोगो के साथ विचार- विमर्श करते है ओर इस गांव की **<u>सभी महिलोओं का स्वयं सहयता समूह भी बनाया</u>** गया है | इस ग्रुप का नाम सरस्वतीं स्वयं सहयता समूह रखा गया है इस समूह में 12 महिलाए है | परियोजना के द्वारा इन सभी महिलोओं को अपनी निजी बजत के बारे में बताया गया है | और सभी महिलाए हर महीने मासिक वैठक में 20 रु० जमा करती है | इस स्वयं सहयता समूह को परियोजना के साथ जोड़ा गया है इसके साथ इस ग्रुप को परियोजना के द्वारा **<u>बैग बनाने की ट्रेनिग भी</u>** करवाई गई है | ग्रुप को सुचारू रूप से चलाने ले लिए परियोजना के द्वारा चक्रनिधि राशी भी प्रदान की गई है | यह राशी 25,000 रु० थी जिससे यह ग्रुप बाजार से कच्ची सामग्री लाकर बैग बनाने का कार्य कर रहे है जिससे इनकी आमदनी में इजाफा हुआ है |

इस गांव में सब खेती करते है और लगभग सभी घरो में दुधारू पशु है | इस बर्ष इस गांव में परियोजना के माध्यम से **<u>मक्का प्रदर्शन प्लोट भी दिया</u>** गया है जिसमे किसानो को बीज, खाद व दवाईया भी उपलब्ध करवाई गई है | प्रदर्शन प्लोट की बिजाई प्रदर्शन जलागम दल सदस्य की देख-रेख में की गई है |